

अभ्यास

1. निम्नलिखित वाक्यों में से उपसर्ग युक्त शब्द को छाँटकर रिक्त स्थान में लिखिए— (M.I.)

- i. यदि कोई आपके साथ दुर्व्यवहार करे तो भी आप उसका सम्मान करें। “दुर्व्यवहार, सम्मान”
- ii. दूसरे के लिए कटि बौना हमारे लिए अकल्याणकारी सिद्ध होता है। “अकल्याणकारी”
- iii. सच्ची मनुष्यता, अविश्वास, अश्रद्धा और अनास्था से नहीं मिलती। “अविश्वास, अश्रद्धा अनास्था”
- iv. वह अपने पुरुषार्थ के बल पर आकाश में विचरण करने लगा है। “आकाश” “विचरण”
- v. सत्संग मनुष्य को ऊँचा उठाता है और कुसंग नीचे गिराता है। “सत्संग” “कुसंग”

21

- vi. सत्संगति हमारी कुप्रवृत्तियों को सदप्रवृत्तियों में परिवर्तित करती है। “सत्संगति” “कुप्रवृत्तियों” “सदप्रवृत्तियों” “परिवर्तित”
- vii. सत्य का स्वरूप प्रगतिशील व सुखदायक है। “स्वरूप, प्रगतिशील” “सुखदायक”
- viii. दृढ़ प्रयत्न, अथक परिश्रम एवं अदम्य साहस से सफलता प्राप्त करो। “प्रयत्न”, “अथक” “परिश्रम” “अदम्य”
- ix. संदीप खुशमिजाज है जबकि सुदीप बदमिजाज है। “संदीप” “खुशमिजाज” “सुदीप” “बदमिजाज”
- x. निस्संदेह तुम निर्धनता को अभिशाप समझते हो। “निस्संदेह” “निर्धनता” “अभिशाप”

2. निम्नलिखित वाक्यों को ध्यान से पढ़िए और कोष्ठक में दिए गए शब्दों में उचित उपसर्ग लगाकर लिखिए— (Understanding, Applying)

- i. यदि तुम कल अदालत में “गैरहाजिर” (हाजिर) रहे तो जज साहब एकतरफ़ा फ़ैसला सुना देंगे।
- ii. बड़े-बड़े महलों के “अवशेष” (शेष) हमें उस काल के वैभव की याद दिलाते हैं।
- iii. दरीबे के नुक्कड़ में जलेबीवाले की दुकान बहुत “प्रसिद्ध” (सिद्ध) है।
- iv. रॉकेट बनाने के लिए “अत्याधुनिक” (आधुनिक) सामग्री का प्रयोग किया जाता है।
- v. प्रेमचंद की कृतियों का “अनुवाद” (वाद) अनेक “विदेशी” (देशी) भाषाओं में किया गया है।
- vi. ‘फूलों की घाटी’ में “चौतरफ़” (तरफ़) फूल ही फूल नजर आते हैं।
- vii. आ भेरे “हमजोली” (जोली) आ, खेलें आँख-मिचौली आ।
- viii. अकबर के सभा में आते ही नौबतकार बोल उठा, “बा अदब” (अदब), “बामुलाहिजा” (मुलाहिजा) होशियार”।
- ix. साधु-संत “चौमास” (मास) में “विहार” (हार) नहीं करते।
- x. “अधजल” (जल) गगरी, छलकत जाए।

3. निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग एवं मूल शब्द अलग-अलग कीजिए— (Remembering, Applying)

- | | |
|--|---|
| <ol style="list-style-type: none"> i. प्रदर्शन — “प्र” + “दर्शन” ii. अनुराग — “अनु” + “राग” iii. उपवन — “उप” + “वन” iv. कुपुत्र — “कु” + “पुत्र” v. निर्मल — “निर्” + “मल” vi. सद्गुण — “सत्” + “गुण” vii. विराग — “वि” + “राग” | <ol style="list-style-type: none"> viii. आक्रमण — “आ” + “क्रमण” ix. दुर्घटना — “दुर्” + “घटना” x. बदनाम — “बद” + “नाम” xi. दरअसल — “दर” + “असल” xii. नालायक — “ना” + “लायक” xiii. निकम्मा — “नि” + “कम्मा” xiv. अधमरा — “अध” + “मरा” |
|--|---|

4. निम्नलिखित उपसर्गों का प्रयोग करके दो-दो शब्दों का निर्माण कीजिए— (Remembering)

- | | |
|---|--|
| <ol style="list-style-type: none"> i. अनु — “अनुभव”, “अनुराग” ii. सु — “सुपुत्र”, “सुविचार” iii. वि — “विनाश”, “विश्वास” iv. निर् — “निर्दोष”, “निर्माण” v. आ — “आकाश”, “आचार” | <ol style="list-style-type: none"> vi. अभि — “अभिमान”, “अभिनंदन” vii. अध — “अधपका”, “अधजला” viii. कु — “कुपुत्र”, “कुसंग” ix. हम — “हमसफर”, “हमजोली” x. चौफ़ — “चौफ़ इंजीनियर”, “चौफ़ मिनिस्टर” |
|---|--|



